खड़े होकर पेशाब करने का हुक्म

[हिन्दी – Hindi – هندي]

इफ्ता की स्थायी समिति

अनुवाद : अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह

2012 - 1433

IslamHouse.com

حكم التبول واقفاً

« باللغة الهندية »

اللجنة الدائمة للإفتاء

ترجمة : عطاء الرحمن ضياء الله

2012 - 1433

IslamHouse.com

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

إن الحمد لله نحمده ونستعينه ونستغفره، ونعوذ بالله من شرور أنفسنا، وسيئات أعمالنا، من يهده الله فلا مضل له، ومن يضلل فلا هادي له، وبعد:

हर प्रकार की हम्द व सना (प्रशंसा और गुणगान) केवल अल्लाह के लिए योग्य है, हम उसी की प्रशंसा करते हैं, उसी से मदद मांगते और उसी से क्षमा याचना करते हैं, तथा हम अपने नफ्स की बुराई और अपने बुरे कामों से अल्लाह की पनाह में आते हैं, जिसे अल्लाह तआला हिदायत प्रदान करदे उसे कोई पथभ्रष्ट (गुमराह) करने वाला नहीं, और जिसे गुमराह कर दे उसे कोई हिदायत देने वाला नहीं। हम्द व सना के बाद :

खड़े होकर पेशाब करने का हुक्म

प्रश्न : क्या इंसान का खड़े होकर पेशाब करना निषेध है या वैध ?

उत्तर : हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह के लिए योग्य है और दया व शांति अवतरित हो उसके पैगंबर, उनकी संतान और उनके साथियों पर . . हम्द व सलात के बाद :

इंसान का खड़े होकर पेशाब करना निषेद्ध (हराम) नहीं है, परंतु उसके लिए सुन्नत का तरीक़ा यह है कि वह बैठकर पेशाब करे, क्योंकि आयशा रज़ियल्लाहु अन्हा कहना है कि : ''जो तुमसे यह बयान करे कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम खड़े होकर पेशाब करते थे तो उसकी बात को सच्च न मानो, आप बैठकर ही पेशाब करते थे।''[1] इसे तिर्मिज़ी ने रिवायत किया है और कहा है कि : यह हदीस इस अध्याय में सबसे सही हदीस है।

तथा इसमें उसके लिए अधिक पर्दा है, और यह उसके लिए पेशाब की छींटों से बचने के लिए अधिक सुरक्षित है।

[1] मुसनद अहमद 1/192, तिर्मिज़ी 1/27 (तोहफतुल अह्वज़ी), इब्ने माजा, हदीस संख्या : 307.

तथा खड़े होकर पेशाब करने के बारे में उमर, अली, इब्ने उमर, और ज़ैद बिन साबित रज़ियल्लाहु अन्हुम से रूख्सत वर्णित है, क्योंकि बुखारी व मुस्लिम ने हुज़ैफा रज़ियल्लाहु अन्हु के माध्यम से नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से रिवायत किया है कि : ''आप एक क़ौम की घूर के पास आए और खड़े होकर पेशाब किया।''[1]

तथा इस हदीस और आयशा रज़ियल्लाहु अन्हा की हदीस के बीच कोई विरोधाभास नहीं है क्योंकि इस बात की संभावना है कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ऐसा इसलिए किया हो कि आप ऐसी जगह पर थे जहाँ आप बैठने पर सक्षम नहीं थे, या आप ने ऐसा इसलिए किया ताकि लोगों के लिए इस बात को स्पष्ट कर दें कि खड़े होकर पेशाब करना हराम नहीं है। और यह इस बात का खंडन नहीं करता है कि मूल सिद्धांत वही है जो आयशा रज़ियल्लाहु अन्हा ने उल्लेख किया है किया है कि आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम

[1] मुसनद अहमद 4/246, 5/382, 394, बुखारी 1/62 (मुद्रण इस्तांबोल), मुस्लिम 1/157 (वितरण मुख्यालय इफ्ता एवं वैज्ञानिक अनुसंधान) अबू दाऊद 1/6 (मुद्रण दारूल फिक्र), नसाई 1/29, तिर्मिज़ी 1/30 (तोफतलु अह्वज़ी), इब्ने माजा, हदीस संख्या : 305, 306.

बैठकर ही पेशाब करते थे, और यह कि वह सुन्नत है, वाजिब नहीं है कि उसके विपरीत करना हराम है।

और अल्लाह तआला ही तौफीक़ प्रदान करने वाला (शक्ति का स्रोत) है, तथा अल्लाह तआला हमारे ईश्दूत मुहम्मद, उनकी संतान और उनके साथियों पर दया और शांति अवतरित करे।

इफ्ता और वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

अब्दुल्लाह बिन क़ऊद (सदस्य)

अब्दुल्लाह बिन गुदैयान (सदस्य)

अब्दुर्रज़्ज़ाक़ अफीफी (उपाध्यक्ष)

अब्दुल अज़ीज़ बिन अब्दुल्लाह बिन बाज़ (अध्यक्ष)

''फतावा स्थयी समिति (5/88–89)''.